चक्रवाती तूफान ''बिपरजॉय'' के प्रभाव से राजधानी जयपुर में सोमवार को दिनभर सुहावनी बारिश का दौर चला। अलसुबह से ही शहर के आसमान पर काले बादलों ने डेरा डाल रखा था। दिनभर कभी बूंदा-बांदी तो कभी मध्यम बारिश ने भिगोया। इससे एकबारगी तो ऐसा लगा, मानो सावन का मौसम आ गया हैं। जयपुर परकोटा, एम.आई. रोड, जनपथ और सरदार पटेल मार्ग समेत कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। बारिश के कारण कई सड़कों पर पानी जमा हो गया। सोडाला रोड पर अजमेर पुलिया के पास मुख्य सड़क पर पानी भर गया। हालांकि शाम होते-होते कुछ देर के लिए मौसम खुला और धूप भी छायी। मौसम विभाग के मुताबिक, जयपुर में बीते दो दिनों में 21.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई हैं, मंगलवार को भी हल्की बारिश होने की संभावना है।

'कांग्रेस घमण्ड से उन्मादित वामपंथी मानसिकता का शिकार हो गई है'

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि, कांग्रेस से क्या उम्मीद की जा सकती है, जिसने राम मंदिर निर्माण की राह में रोड़े अटकाए? वो अब गीता प्रेस गोरखपुर के भी विरोध में उतर आई है

■ असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिसवा सरमा ने कहा कि, कर्नाटक में जीत से उन्मादित कांग्रेस ने अब खुले तौर पर भारत के सभ्यतागत मूल्यों और समृद्ध विरासत के खिलाफ युद्ध शुरू कर दिया है, चाहे वह धर्मांतरण विरोधी कानून को रद्द करने या गीता प्रेस के खिलाफ आलोचना के रूप में हो।

नई दिल्ली, 19 जून। गीता प्रेस गोरखपुर को 2021 के लिए गांधी शांति पुरस्कार मिलने पर कांग्रेस पार्टी ने एतराज जताया है। कांग्रेस ने केंद्र के कदम को उपद्रव जैसा बताया। कांग्रेस के बयान के बाद भाजपा ने भी अब पलटवार किया है।

कांग्रेस द्वारा गीता प्रेस को दिए जाने वाले गांधी शांति पुरस्कार 2021 की आलोचना पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, कांग्रेस से क्या उम्मीद की जा सकती है जिसने राम मंदिर निर्माण की राह में रोड़े अटकाए? जो तीन तलाक का विरोध करती है ... गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार पर उनकी टिप्पणी से ज्यादा शर्मनाक और क्या हो सकता है? हम इसकी निंदा करते हैं। मैं भारी मन से कहना चाहता हूं कि देश पर शासन करने वाली पार्टी में अब माओवादी मानसिकता वाले लोग हैं, वे राहुल गांधी के भी सलाहकार हैं और इसका पूरे देश को विरोध करना चाहिए।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिसवा सरमा ने भी कांग्रेस पर हमला बोला है। हिमंता ने कहा कि कर्नाटक में जीत के साथ ही कांग्रेस ने अब खुले तौर पर भारत के सभ्यतागत मूल्यों और समृद्ध विरासत के खिलाफ युद्ध शुरू कर दिया है, चाहे वह धर्मांतरण विरोधी कानून को रद्द करने या गीता प्रेस के खिलाफ आलोचना के रूप में हो।

हिमंता ने कहा कि कर्नाटक में मिली चुनावी जीत के घमंड में चूर होकर कांग्रेस अब भारतीय संस्कृति पर खुला प्रहार कर रही है।

उन्होंने कहा कि भारत की जनता कांग्रेस को सही जवाब देगी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार 2021 देना सावरकर और गोडसे को पुरस्कृत करने जैसा है। ये फैसला एक उपहास की तरह है।

बता दें कि केंद्र सरकार ने गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए गीता प्रेस को सम्मानित किया है।

जे.डी.यू. गठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्वास्थ्य कारणों से भी वहां जा रहे हैं।

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष संतोष मांझी ने महागठबंधन सरकार से समर्थन वापस लेने का एलान किया। उन्होंने इसके लिए सोमवार शाम को बिहार के गवर्नर से मुलाकात का समय भी मांगा था।

जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के महागठबंधन सरकार से अलग होने के बाद आज पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक के बाद हम के अध्यक्ष और जीतन राम मांझी के बेटे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में महागठबंधन सरकार से समर्थन वापस लेने की आधिकारिक औपचारिकता पूरी करने की बात कही। संतोष सुमन ने गठबंधन को लेकर पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं को विश्वास दिलाते हुए कहा कि यह निर्णय उनके लिए चुनौती और परीक्षा की घड़ी है।

उन्होंने कहा कि पार्टी की बेहतरी और उसे बढ़ाने और विस्तार के लिए जो भी निर्णय होगा, वह उस पर विचार करेंगे। संतोष सुमन ने कहा कि अभी फिलहाल वे (पार्टी के प्रमुख नेता) दिल्ली जा रहे हैं और ऐसा नहीं है कि हम लोगों ने गठबंधन को लेकर फैसला कर लिया है। अभी हमारे विकल्प खुले हुए हैं।

उन्होंने कहा कि अगर एन.डी.ए. के नेताओं की तरफ से उन्हें बुलावा आया तो उनसे भी बात करेंगे, लेकिन हम एक थर्ड फ्रंट की भी बात करेंगे। बहुत सारी अन्य पार्टियां, एन.जी.ओ. और सामाजिक विकासकर्ता हैं, उनसे भी हमारी बात होगी और इसका जो भी परिणाम होगा, वह तीन-चार दिन में आपको बता दिया जाएगा।

'जयराम रमेश ने भारत की आध्यात्मिक सोच और परम्परा का अपमान किया है'

विश्व हिन्दू परिषद ने जयराम रमेश के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की

■ विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय कार्याध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने एक बयान में कहा, मुझे दुःख है कि, कांग्रेस अभी तक अपनी औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त नहीं हुई है। उनका यह बयान भारतीय आध्यामिकता एवं परम्परा का बड़ा अपमान है।

नई दिल्ली, 19 जून (वार्ता)। विश्व हिंदू परिषद ने गीता प्रेस को वर्ष 2021 का गाँधी शान्ति पुरस्कार दिये जाने के विरोध में कांग्रेस के प्रवक्ता जयराम रमेश के बयान को दुःखद और औपनिवेशिक मानसिकता से ग्रस्त करार दिया है।

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय कार्याध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने सोमवार को एक बयान में कहा, मुझे दुःख है कि कांग्रेस अभी तक अपनी कोलोनियल मानसिकता से मुक्त नहीं हुई। कितना घटिया बयान है कि यह कहा जाए कि, यह सम्मान सावरकर और गोडसे का आदर है।

उन्होंने कहा कि 100 वर्षों से गीता प्रेस ने निःस्वार्थ एवं निष्ठा भाव से भारतीय सद्-साहित्य, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक साहित्य बहुत साधारण मूल्यों पर जन सामान्य को उपलब्ध कराया है। भाषा, व्याकरण और शब्दावली की उत्कृष्टता, छपाई की उत्तमता, बिना विज्ञापन लिए पुस्तक और पत्र-पत्रिकाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम उन्होंने किया है। उनको गांधी शांति पुरस्कार मिलना हनुमान प्रसाद पोद्दार और जयदयाल गोयनका जैसे लोगों की साधना की स्वीकार्यता ही है।

विहिप कार्याध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा इसकी गोडसे से तुलना करना पूरे भारतीय आध्यात्मिक वांग्मय का अपमान करने के समान है। उन्होंने सवाल किया, कांग्रेस आखिर कौनसी मानसिकता से ग्रस्त हैं? चर्च की या मस्जिद की! मैं समझता हूं कि कांग्रेस का ये बयान देश के लिए हताशा और अपमानजनक बयान है। मैं इसकी निंदा करता हूँ और गांधी शांति पुरस्कार गीता प्रेस को दिए जाने पर सरकार को साधुवाद देता हूँ।

गौरतलब है कि, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने हिंदू धर्म ग्रंथों पर करोड़ों पुस्तकों के प्रकाशक गीता प्रेस गोरखपुर को गांधी शांति पुरस्कार देने का विरोध करते हुए इस पर तीखी टिप्पणी की है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सरकार के गीता प्रेस को यह पुरस्कार देने के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया की है। उन्होंने कहा कि गीता प्रेस को 1921 का गांधी शांति पुरस्कार देना विनायक दामोदर सावरकर और महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को सम्मानित करने जैसे है।

इससे पहले सरकार ने सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए गीता प्रेस गोरखपुर को गांधी शांति पुरस्कार देने की घोषणा की है।

अमेरिका जाने से पहले मणिपुर हिंसा पर प्र.मंत्री चुप्पी तोड़ेंगे अथवा नहीं

■ कांग्रेस महासचिव संगठन के.सी. वेणुगोपाल ने सवाल किया, मणिपुर 49 दिनों से जल रहा है, 50वें दिन क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस संकट पर एक शब्द भी बोले बिना विदेश चले जाएंगे?

नई दिल्ली, 19 जून (वार्ता)। पिछले 49 दिन से हिंसा में जल रहे मणिपुर को लेकर कांग्रेस ने उम्मीद जताई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश दौरे पर जाने से पहले इस संकट के समाधान को लेकर चुप्पी तोड़ेंगे।

कांग्रेस महासचिव संगठन के.सी. वेणुगोपाल ने सोमवार को यहां एक बयान में कहा कि मणिपुर पिछले 49 दिन से हिंसा की चपेट में है और 50वें दिन मोदी विदेश यात्रा पर जा रहे हैं इसलिए पार्टी को उम्मीद है कि वह मणिपुर में शांति बहाली पर मौन तोड़ेंगे और संकट के समाधान के लिए जरूरी कदम उठाएंगे।

उन्होंने सवाल किया ,मणिपुर 49 दिनों से जल रहा है। 50वें दिन क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस संकट पर एक शब्द भी बोले बिना विदेश चले जाएंगे। सैकड़ों लोग मारे गए, हजारों बेघर हो गए, अनगिनत चर्च और पूजा स्थल नष्ट हो गए और संकटग्रस्त राज्य का प्रशासन समस्या का समाधान नहीं निकाल पा रहा है। मामला अब और भी बदतर बनता जा रहा है और हिंसा अब मिजोरम में भी फैल रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा ,पिछले कई दिनों से मणिपुरी मामले में प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप करने के लिए समय मांग रहे हैं लेकिन मोदी सरकार की उपेक्षा का हर गुजरता दिन इस विश्वास की पुष्टि करता है कि मोदी और उनके नेतृत्व वाली भाजपा मणिपुर संकट का समाधान खोजने के बजाय संघर्ष को लंबा करने में रुचि रखते हैं। सवाल है कि स्वयंभू विश्वगुरु कब सुनेंगे मणिपुर की बात। शांति की सीधी-सादी अपील करने के लिए वे देश से कब बात करेंगे। वे कब केंद्रीय गृह मंत्री और मणिपुर के मुख्यमंत्री से शांति स्थापित करने में पूरी तरह विफल रहने के लिए जवाबदेही की मांग करेंगे।

जो कभी भारत को ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने समय में 19 सदी के यूरोपियन देशों की ताकतों के पुराने संतुलन के मामले में वैश्विक राजनीति की परिकल्पना की थी। यह मुट्ठी भर अग्रणी देशों की ताकत का प्रदर्शन था। लेकिन अब वे देश इतिहास बन चुके हैं तथा पश्चिमी दुनिया के वे अग्रणी देश आगे की पंक्ति में नहीं रहे हैं।

आज की दुनिया में, भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ''बड़ी ताकतों- मुख्यत: अमेरिका, चीन, रूस तथा भारत को उभरती हुई भूमिका में देख रहे हैं। इस गतिशील दौर में, भारत विभिन्न देशों से अवसरानुकुल विभिन्न मुद्राओं में जुड़ेगा। सौ वर्ष होने के बाद भी अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीति में हेनरी किसिंजर को एक मजबूत हस्ती माना जाता है और संवेदनशील अन्तर्राष्ट्रीय मसलों पर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री अभी भी उनकी राय लेते हैं।

एक प्रतिष्ठित पत्रिका ''द इकोनॉमिस्ट ऑफ लंदन को दिए गए एक इंटरव्यू में उन्होंने जो कहा उसे नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पूर्व उठाया जा रहा है। अपने दिनों में किसिंजर ने गत सदी की कूटनीति के प्रोफाइल को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। उन्होंने चीन को दुनिया के लिए सुलभ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी व अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन को चीन ले गए थे और चीन व अमेरिका के कूटनीतिक रिश्ते बहाल किए थे।

जब अमेरिका चीन संबंधों की बहाली का दौर चल रहा था उन दिनों फोटोग्राफर्स में अनायास ही एक तस्वीर ले ली थी जो काफी चर्चित हुई। तस्वीर में रिचर्ड निक्सन माओत्से तुंग को ओवरकोट पहनने में मदद करते दिख रहे थे। इस समय भारत पर किसिंजर का ध्यान जाना विश्व महाशक्तियों की लीग में भारत के आगमन का संकेत है।

अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में आर्थिक सुधार से भारत की स्थिति में इतना भारी परिवर्तन आया है। आर्थिक सुधार लागू करने के बाद से भारत के आर्थिक विकास की शुरुआत हुई थी। वर्ष 1992 में नरसिम्हा राव की सरकार के सत्ता में आने के साथ आर्थिक सुधार लागू हुए थे। उसके बाद से आर्थिक सुधार के मार्ग से भारत ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

भारत अभी विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जल्दी ही यह चीन और जापान को पीछे छोड़ देगा। देश का बाजार इतना बड़ा है कि कोई भी बहुराष्ट्रीय कंपनी इसे अनदेखा नहीं कर सकती है। चीन के उग्र रुख के कारण अन्तर्राष्ट्रीय सप्लाई चेन्स में बदलाव आ रहा है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को मुख्यधारा में ला रहा है।

राहुल गांधी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनकी मां पार्टी नेतृत्व में अपने-अपने पदों पर बने रहे।

2017 के अंत में, जब सोनिया गांधी ने पार्टी के नेता पद से हटने का निर्णय लिया, वे कांग्रेस पार्टी के नेता बन गये।

नेहरू-गांधी वंश की चौथी पीढ़ी के रूप में, अन्य बातों के अतिरिक्त, उनके ''अभिजात्य एवं गैर गंभीर'' होने के लिये उनकी आलोचना भी हुई। शिव, जो हिन्दुओं के सबसे बड़े देवताओं में से एक माने जाते हैं, की भक्ति के प्रदर्शन को लेकर, भाजपा सदस्यों तथा उनकी अपनी पार्टी के लोगों ने भी उनकी आलोचना की।

लेकिन पिछले आम चुनावों में मिली हार के बाद भी वे अडिग बने रहे तथा अब तक अपने सिद्धांतों एवं संविधान में आस्था के मामले में वे अटल बने हुये हैं। पूरे देश की 4080 किमी लम्बी भारत जोड़ो यात्रा, जो 150 दिन तक चली थी, करके उन्होंने अपने नेतृत्व के गुणों को स्थापित कर दिया है तथा कर्नाटक विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत में काफी हद तक योगदान दिया है।

यू.पी., बिहार व झारखण्ड में हीट वेव, सौ की मौत

एक तरफ देश के कई राज्यों में सायक्लोन के कारण हो रही बारिश ने मौसम खुशनुमा बना दिया है तो वहीं देश के चार राज्य हीट वेव की परेशानी से जूझ रहे हैं

नई दिल्ली, 19 जून। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा समेत देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी और प्रचंड लू का कहर जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, चार राज्यों में बीते चार दिनों में हीट वेव के चलते 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। यूपी के बलिया के जिला अस्पताल में ही 24 घंटे में 14 और लोगों की जान चली गई। इससे चार दिन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 68 हो गई है। बलिया जिला अस्पताल में अप्रत्याशित रूप से मरीजों की मौत का सिलसिला लागातार जारी है। इसे लेकर लखनऊ से आई जांच टीम ने विभिन्न बिंदुओं पर जांच की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ जयंत कुमार ने बताया कि बलिया में गर्मी ज्यादा है। इसकी वजह से इनडोर मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है।

बिहार की बात करें तो यहां भी भीषण गर्मी कहर बनकर टूटी है। लू के साथ-साथ लोग उल्टी, दस्त व बुखार जैसी बीमारी से पीड़ितों की संख्या बढ़ती जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में लू से अब तक मौत का आंकड़ा 44 पहुंच गया है। हालांकि, इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया गया है। मृतकों में कई पहले से बीमार बताए जा रहे हैं।

बलिया जिला अस्पताल में गत 18 जून को 178 मरीज भर्ती हुए थे, जिनमें 14 मरीजों की मौत पिछले चौबीस घंटों में हो चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मरने वाले लोग विभिन्न बीमारियों से ग्रसित थे। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में मरीजों की देखभाल की जा रही है। यहां पर्याप्त मात्रा में दवाइयों व कूलर, पंखों की व्यवस्था की गई है। लखनऊ से मृत्यु के कारणों की जांच करने आई जांच टीम लागातार मामले की जांच कर रही है। टीम जिन क्षेत्रों से ज्यादा मरीज आएं हैं वहां जांच करने गई है। उन्होंने बताया कि टीम ने जल व मरीजों के रक्त, यूरीन आदि के नमूने लिए हैं और उन्हें जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी।

इंडिगो 500 नई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बिलियन डॉलर की डील हो सकती है।

यह खरीददारी ऐसे समय में हो रही है जब एविएशन इंडस्ट्री में देश की ज्यादातर एयरलाइन कंपनियां संघर्ष कर रही हैं। आर्थिक तंगी की वजह से गो फर्स्ट एयरलाइन स्वैच्छिक दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही है। वहीं, स्पाइसजेट के खिलाफ भी कई कंपनियों ने दिवाला प्रक्रिया के लिए आवेदन किया है। ये कंपनियां लीज पर विमान दी हुई हैं। ऐसे में यह एयरबस को किसी भी एयरलाइन की तरफ से दिया गया सबसे बड़ा विमान ऑर्डर है।

इंडिगो एयरलाइन ने इस ऑर्डर को लेकर बताया कि विमानों की डिलीवरी साल 2030 से 2035 के बीच होने की उम्मीद है। इंडिगो ने कहा, ''यह 500 विमानों का ऑर्डर न केवल इंडिगो का सबसे बड़ा ऑर्डर है, बल्कि एयरबस के साथ किसी भी एयरलाइन द्वारा सबसे बड़ा एकमुश्त विमान खरीद भी है।'' कंपनी ने कहा कि इन 500 विमानों के लिए इंजन का चयन समय के साथ किया जाएगा; इनमें ए320 और ए321 विमान शामिल रहेंगे। वहीं, एयरबस ने अपने ट्विटर अकाउंट पर बताया कि कॉमर्शियल एयरलाइन के इतिहास में यह सबसे बड़ी खरीद है।

इससे पहले एयर इंडिया ने फरवरी महीने में 470 विमान खरीदने की ऐतिहासिक घोषणा की थी। इनमें 250 विमान एयरबस और 220 विमान बोइंग से खरीदा जाना है। इसके अलावा दो विमान निर्माताओं से अतिरिक्त 370 विमान खरीदने का भी विकल्प है। एयर इंडिया ने 17 से ज्यादा वर्षों में पहली बार नए विमानों का ऑर्डर दिया है। एयर इंडिया का स्वामित्व पिछले वर्ष जनवरी में टाटा समूह ने सरकार से लिया था।

इंडिगो के शेयर आज सोमवार को .41 की तेजी के साथ 2,440 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयर इस साल में 19.41 चढ़ा है। पिछले एक साल में यह शेयर 57.48 और पिछले पांच साल में 105.96 का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इंडिगो के शेयर का 52 वीक लो प्राइस 1,513.30 रुपये और इसका 52 वीक हाई प्राइस 2,488 रुपये है। इसका मार्केट कैप 94,073.49 करोड़ रुपये का है।

'बी.पी.एल. परिवारों को चावल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिस्थिति के लिये तथा प्राइस लाइन को संतुलित बनाये रखने के लिये खाद्यान्न की जरूरत है। भाजपा का मानना है कि अगर चावल की कीमतें बढ़ती हैं तो वह भाजपा के लिये अच्छी बात नहीं होगी, उसके हित में नहीं होगी।

कांग्रेस, जिसने चुनावों से पहले जनता की सोच को बदलकर अपने अनुकूल करने के लिये जी-जान लगा दिया था, अब केन्द्र सरकार को कर्नाटक वासियों के दुश्मन के रूप में प्रस्तुत करने में कोई अवसर हाथ से नहीं जाने दे रही है तथा इस काम में देर भी नहीं लगा रही है। कांग्रेस नेता जनता को बार-बार यह याद दिलाते नहीं थकते कि भाजपा अपनी उन धमकियों को सच करके दिखा रही है कि अगर कर्नाटक के लोगों ने भाजपा को वोट नहीं दिये, तो वे केन्द्र का संरक्षण खो बैठेंगे।

आप के प्रांतीय संयोजक रेड्डी ने कहा कि जैसे ही उनकी पार्टी को यह दिखाई दिया कि केन्द्र सरकार गरीबों के लिये जरूरी खाद्यान्न को लेकर राजनीति कर रही है, उनकी पार्टी ने पेशकश का कदम आगे बढ़ा दिया। आप के प्रांतीय संयोजक ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री इस संकट के समय कर्नाटक की मदद करने तथा यह सुनिश्चित करने को तुरंत तैयार हो गये कि राज्य सरकार अपनी कल्याणकारी योजनाएं जारी रख सके। रेड्डी ने बेंगलुरू में पत्रकारों से यह भी कहा कि अन्न भाग्य स्कीम के लिये चावल की कमी की समस्या को पराजित करने के लिये पंजाब राज्य कर्नाटक को पूरा सहयोग प्रदान करेगा। लेकिन उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर यह दोषारोपण करने का अवसर भी खोया कि उसने बिना किसी तैयारी के वादे कर दिये थे तथा जल्दबाजी में गारंटी दे दी थी।

लेकिन उन्होंने घोर निन्दा को तो भाजपा के इस रूख और सोच के लिये सुरक्षित रख छोड़ा था कि भाजपा कर्नाटक के गरीब लोगों की जरूरतों के मामले में भी राजनीति खेल रही है।

बाइडन प्रशासन में 130 भारतीय हैं तथा अमेरिका की 1.3 प्रतिशत आबादी भारतीय मूल की है

2010 के बाद अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की संख्या में 40 प्रतिशत का इजाफा हुआ है

■ अमेरिकन कम्युनिटी सर्वे के डेटा के अनुसार, भारतीय मूल के कम से कम 4.1 मिलियन लोग अमेरिका में रहते हैं, जो अमेरिकी आबादी का 1.3 प्रतिशत है और मैक्सिकन अमेरिकन्स के बाद अमेरिका में दूसरा सबसे बड़ा आप्रवासी समूह है।

नई दिल्ली/वॉशिंगटन, 19 जून। भारतीय मूल के लोगों ने अमेरिका में अपनी राजनीतिक पकड़ को काफी मजबूत बना लिया है। गौरतलब है कि, जो बाइडन की सरकार भारत के प्रधानमंत्री का राजकीय स्वागत कर रही है। एशिया के लोगों के बीच, भारतीय-अमेरिकी मतदाताओं का हिस्सा सबसे अधिक है और राजनीतिक रूप से भी यह काफी सक्रिय है। बाइडन प्रशासन में प्रमुख पदों पर भारतीय-अमेरिकियों का उच्च प्रतिनिधित्व देखने को मिल रहा है। पूरे प्रशासन में वरिष्ठ पदों पर 130 से अधिक भारतीय अमेरिकी हैं, जिनमें से कई उच्च रैंकिंग वाले व्हाइट हाउस में पदों पर सेवारत हैं, जिनमें पहले कभी अप्रवासियों का कब्जा नहीं हुआ करता था।

अमेरिकन कम्युनिटी सर्वे के डेटा का कहना है कि भारतीय मूल के कम से कम 4.1 मिलियन लोग अमेरिका में रहते हैं, जो अमेरिकी आबादी का 1.3 प्रतिशत है और मैक्सिकन अमेरिकियों के बाद अमेरिका में दूसरा सबसे बड़ा अप्रवासी समूह है।

प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका की पिछली यात्राओं के दौरान भारतीय समुदाय के बड़ी संख्या में लोग मैडिसन स्क्वायर और ह्यूस्टन पहुंचे थे। हालांकि इस बार समय की कमी के कारण भारतीय समुदाय के सदस्यों को प्रधानमंत्री के साथ बिताने के लिए सिर्फ एक घंटा का ही समय मिलेगा। 23 जून को, राजकीय दौरे पर अपनी आधिकारिक व्यस्तताओं को पूरा करने के तुरंत बाद और अपने मित्र की यात्रा को शुरू करने से पहले। पी.एम. मोदी रीगन सेंटर, वाशिंगटन डी.सी. में 1,000 अमेरिकी भारतीयों की एक सभा को संबोधित करेंगे।

इंडियन अमेरिकन कम्युनिटी फाउंडेशन के अध्यक्ष भरत बरई ने हुए कहा है कि प्रधानमंत्री के पास संबोधन के लिए सिर्फ एक घंटे का समय होगा क्योंकि वह जल्द ही मिस्त्र के लिए रवाना होने वाले हैं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में सिख समूह, दाउदी बोहरा समुदाय, महाराष्ट्र मंडलों, गुजराती समाज, डॉक्टरों के संघों, मोटल मालिकों के संघों, तेलुगु और तमिल समूहों के समुदाय के नेताओं और कई अन्य लोग इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायिका मैरी मिलिगेन के राष्ट्रगान गाने की संभावना है, जबकि रिया पवार अमेरिकी गान गाएंगी। वास्तव में, भारतीय-अमेरिकी समुदाय समूह शिकागो में प्रधानमंत्री की मेजबानी करने की उम्मीद कर रहे थे और उन्होंने पहले ही तीन स्टेडियम बुक कर लिए थे। लेकिन, चूंकि राजकीय यात्रा दो दिनों के लिए निर्धारित थी और उसके तुरंत बाद पी.एम. मोदी की मिस्त्र की यात्रा थी। शिकागो में कार्यक्रम की योजना को रद्द कर दिया गया है। पेंसिल्वेनिया, फ्लोरिडा और ओहियो जैसे कई प्रमुख राज्यों में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की अच्छी खासी उपस्थिति है, जो राष्ट्रपति पद का फैसला करने के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं। लगभग 1.8 मिलियन भारतीय अमेरिकी हैं, जिनके वोट एरिजोना और विस्कॉन्सिन जैसे राज्यों में महत्वपूर्ण हैं और चुनाव को एक या दूसरे तरीके से मदद कर सकते हैं।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908